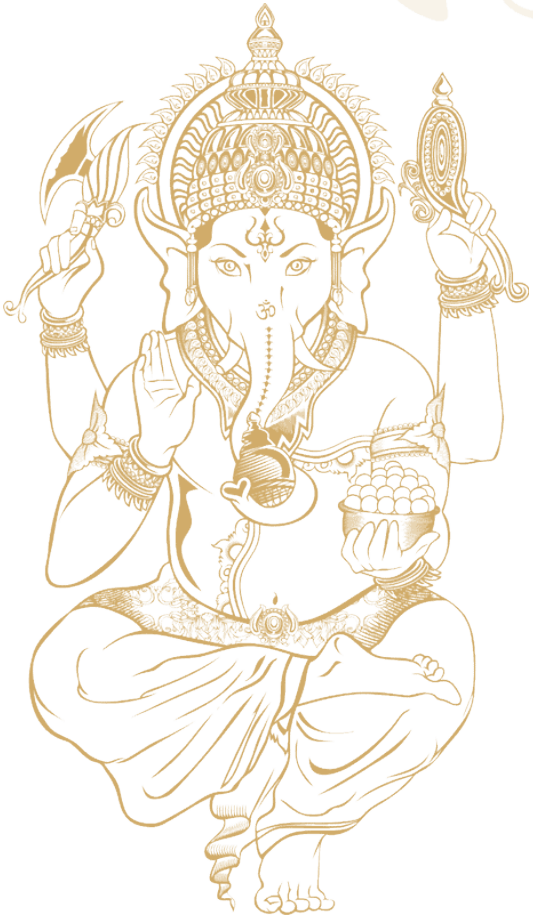

Robin Bhatti

19 Feb 2004

10:15 AM

Jandiala

Model: web-freekundliweb

Order No: 120943502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/02/2004**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:15:00 घंटे**
इष्ट	07:45:31 घटी
स्थान	**Jandiala**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:36:00 उत्तर
रेखांश	75:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:45:12 घंटे
वेलान्तर	-00:13:56 घंटे
साम्पातिक काल	19:39:10 घंटे
सूर्योदय	07:08:47 घंटे
सूर्यास्त	18:19:03 घंटे
दिनमान	11:10:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:57:30 कुम्भ
लग्न के अंश	11:34:04 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वरियान
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोकरन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	11:34:04	480:21:29	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	05:57:30	01:00:33	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	20:29:45	14:08:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			मेष	16:08:46	00:38:23	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	स्वराशि
बुध		अ	मक	25:09:39	01:40:24	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	21:50:32	00:07:18	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	18:24:04	01:09:32	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	12:39:28	00:01:56	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	20:27:18	00:11:58	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	20:27:18	00:11:58	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	08:42:24	00:03:27	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	19:35:16	00:02:13	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	28:00:25	00:01:08	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			धनु	29:02:59	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:43

लग्न-चलित

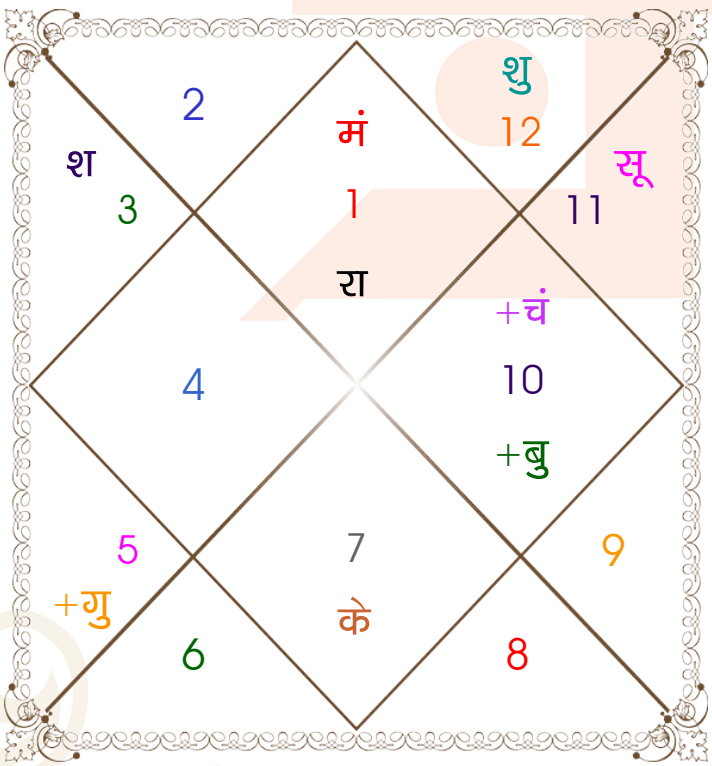

चन्द्र कुंडली

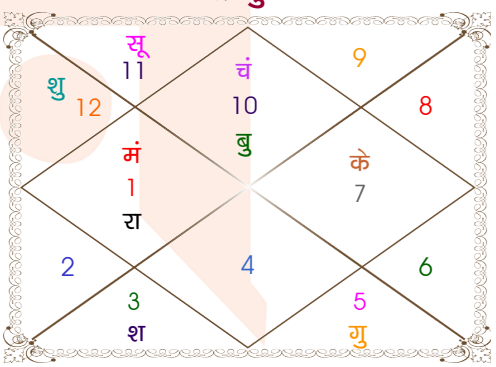

नवमांश कुंडली

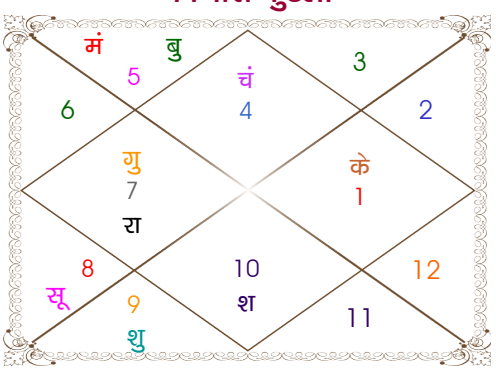

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 1 मास 16 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/02/2004		06/04/2006		06/04/2013		06/04/2031		06/04/2047	
06/04/2006		06/04/2013		06/04/2031		06/04/2047		06/04/2066	
	00/00/0000	मंगल	02/09/2006	राहु	18/12/2015	गुरु	25/05/2033	शनि	09/04/2050
	00/00/0000	राहु	21/09/2007	गुरु	13/05/2018	शनि	06/12/2035	बुध	17/12/2052
	00/00/0000	गुरु	27/08/2008	शनि	19/03/2021	बुध	13/03/2038	केतु	26/01/2054
	00/00/0000	शनि	06/10/2009	बुध	06/10/2023	केतु	17/02/2039	शुक्र	28/03/2057
	00/00/0000	बुध	03/10/2010	केतु	24/10/2024	शुक्र	18/10/2041	सूर्य	10/03/2058
	00/00/0000	केतु	01/03/2011	शुक्र	24/10/2027	सूर्य	06/08/2042	चंद्र	09/10/2059
	19/02/2004	शुक्र	30/04/2012	सूर्य	17/09/2028	चंद्र	06/12/2043	मंगल	17/11/2060
शुक्र	06/10/2005	सूर्य	05/09/2012	चंद्र	19/03/2030	मंगल	11/11/2044	राहु	24/09/2063
सूर्य	06/04/2006	चंद्र	06/04/2013	मंगल	06/04/2031	राहु	06/04/2047	गुरु	06/04/2066

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
06/04/2066		06/04/2083		06/04/2090		07/04/2110		07/04/2116	
06/04/2083		06/04/2090		07/04/2110		07/04/2116		00/00/0000	
बुध	02/09/2068	केतु	03/09/2083	शुक्र	06/08/2093	सूर्य	26/07/2110	चंद्र	05/02/2117
केतु	30/08/2069	शुक्र	02/11/2084	सूर्य	06/08/2094	चंद्र	24/01/2111	मंगल	06/09/2117
शुक्र	30/06/2072	सूर्य	10/03/2085	चंद्र	06/04/2096	मंगल	01/06/2111	राहु	08/03/2119
सूर्य	06/05/2073	चंद्र	09/10/2085	मंगल	06/06/2097	राहु	25/04/2112	गुरु	07/07/2120
चंद्र	06/10/2074	मंगल	07/03/2086	राहु	07/06/2100	गुरु	11/02/2113	शनि	05/02/2122
मंगल	03/10/2075	राहु	25/03/2087	गुरु	06/02/2103	शनि	24/01/2114	बुध	08/07/2123
राहु	21/04/2078	गुरु	29/02/2088	शनि	07/04/2106	बुध	01/12/2114	केतु	06/02/2124
गुरु	27/07/2080	शनि	09/04/2089	बुध	05/02/2109	केतु	07/04/2115	शुक्र	20/02/2124
शनि	06/04/2083	बुध	06/04/2090	केतु	07/04/2110	शुक्र	07/04/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 1 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह राशि के द्रेष्काण, कर्क राशि के नवमांश एवं मेष लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नादि के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आप अपने भविष्य में कोई भी कार्य निश्चित समय पर प्रारंभ करेंगे। आप व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कुशल, किसी पर भी दिल से विश्वास करने वाले, तथा किसी भी कार्य को दृढ़तापूर्वक अपने भरोसे प्रारंभ करने वाले एक अच्छे भाग्यशाली व्यक्ति हैं।

जन्म प्रभाव से आप चंचल प्रकृति के प्राणी हैं। आप अकेले अपनी समझ से पूर्ण विश्वसनीयता एवं श्रद्धा पूर्वक अपने लक्ष्य की ओर किसी भी वस्तु को उपार्जित करते हैं तथा अपना लक्ष्य भेदन कर लेते हैं। आपका जन्म चर लग्न एवं चर नवमांश में हुआ है। फलस्वरूप आप किसी कार्य को करने के पहले हिचकते हैं। तथा उसे एक बार नकारात्मक समझ लेते है पुनः किसी भी क्षण उसे पसंद कर कार्य रूप देते हैं।

आप में निःसंदेह बहुत सारे कार्य संपादन के अधिकार अर्थात् गुण विद्यमान है। आप किसी के अधीन रह कर किसी भी कठिन कार्य को सुगमता पूर्वक एवं विस्तार पूर्वक अच्छी प्रकार निष्पादन कर लेते हैं। आप में आश्चर्यजनक शक्ति विद्यमान है, एवं आपका स्वाभिमान आप में द्रुत गति से कार्य संपादन करने की क्षमता प्रदान करता हैं।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक नवीन कल्पना से एक बार किसी भी कार्य का संचालन कर लेते हैं। परंतु आपकी योजना को निष्पादन करने में कोई न कोई व्यवधान उपस्थित हो जाता है। क्योंकि संचालित कार्य को अधूरा छोड़ कर आपका झुकाव किसी नये उद्यम की ओर हो जाता है। जिसे आप स्वयं संपादन करना चाहते हैं। यदि आप इन आदतों को त्याग दें तो आप सफलता के उच्च शिखर पर पहुंच सकते हैं।

आप किसी भी विस्तृत योजना या खरीददारी पर शीघ्रता पूर्वक किसी धन का निवेश नहीं करें अन्यथा यह आवश्यक है कि जल्दबाजी के सौदे से कोई अन्य गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

आप प्रेम संबंध में अत्यंत स्पष्टवादी एवं उत्साही प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा देंगे क्योंकि आप एक अच्छे स्वभाव के सौम्य पुरुष हैं। परंतु कोई आपको बहुत प्यार करता है तो आप उसके वशी भूत न होकर, धैर्य पूर्वक पवित्र आत्मा से स्वतंत्र रहना चाहते हैं।

यह स्पष्ट है कि आपका विस्तृत पारिवारिक जीवन छोटी-मोटी बाधाओं को छोड़ कर उत्तम और अनुकूल रहेगा। आपके जन्मप्रभाव से ऐसा निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आप असामयिक माता-पिता बनने का आनंद प्राप्त नहीं करेंगे। आप पुत्र सुख प्राप्ति की प्रत्याशा छोड़ दे। आपको आपके पुत्र के साथ सदैव अस्वाभाविक संयोग एवं संबंध स्थापित होने की संभावना है अर्थात् उत्तम पुत्र सुख का अभाव रहेगा। अस्तु आपको अपने पुत्र के साथ धैर्य पूर्वक एवं समझदारी के साथ सामान्य व्यवहारिकता अपनानी चाहिए ताकि बच्चे के दिल पर

कोई आघात न लगे। बल्कि पुत्र के साथ किसी भी रूप में कठोर व्यवहार नहीं करें।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु हृष्ट-पुष्ट एवं बल से युक्त रहेंगे। आप विशाल मस्तिष्क से युक्त परंतु आपके ओठों पर संकीर्णता विद्यमान रहेगा। यह संभव है कि आपकी युवावास्था में ही कोई घाव का चिह्न आपके मस्तक पर लग जाए अर्थात् माथे पर कोई घाव का चिन्ह संभाव्य है। जीवन में कभी भी कोई सामान्य दुर्घटना से आप जख्मी हों सकते हैं। अतः आपको सावधान रहना होगा। परंतु आपको सदैव ही गंभीर दुर्धटना के प्रति सजग भी रहना होगा अन्यथा किसी बड़ी दुर्घटना से मस्तिष्क में चोट लग सकती है। आपको मानसिक वेदना या पश्चाताप न हो अतएव सदैव (लगातार) अपने सिर की सुरक्षा तथा पक्षाघात रोग के प्रति सतर्क रहना पड़ेगा। अतः आपको पर्याप्त मात्रा में निश्चिंतता पूर्वक आपत्ति रहित निद्रा तथा आराम प्राप्त करना चाहिए। आपको निश्चित रूप से मद्य एवं मांसाहार से बच कर रहना चाहिए तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके व्यक्तिगत जीवन में अनुकूलता लाने एवं शुभ प्रभाव हेतु कुछ महत्वपूर्ण रंगादि का सेवन महत्वपूर्ण हैं। आपके लिए अनुकूल रंग लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला है जबकि हर दशा में काला रंग का त्याज्यनीय है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक अनुकूल नही है, परंतु अंक 9 एवं 1 अंक आपके लिए प्रभावी सिद्ध होगा तथा अंक 4 एवं 8 अंक के प्रति आपका आकर्षण रहेगा।